



Pranav



Purva

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119528101

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
25/10/1998 :	जन्म तिथि	: 19/07/1999
रविवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 23:40:00 :	जन्म समय	: 20:21:00 घंटे
घटी 44:01:58 :	जन्म समय(घटी)	: 37:30:57 घटी
India :	देश	: India
Mirzapur :	स्थान	: Gurgaon
25:09:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:27:00 उत्तर
82:34:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:16 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:03:12 :	सूर्योदय	: 05:36:11
17:24:20 :	सूर्यास्त	: 19:19:47
23:50:15 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:51
कर्क :	लग्न	: मकर
चन्द्र :	लग्न लग्नाधिपति	: शनि
धनु :	राशि	: कन्या
गुरु :	राशि-स्वामी	: बुध
मूल :	नक्षत्र	: चित्रा
केतु :	नक्षत्र स्वामी	: मंगल
3 :	चरण	: 1
अतिगण्ड :	योग	: सिद्ध
बालव :	करण	: वणिज
भा-भारत :	जन्म नामाक्षर	: पे-पैनी
वृश्चिक :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कर्क
क्षत्रिय :	वर्ण	: वैश्य
मानव :	वश्य	: मानव
श्वान :	योनि	: व्याघ्र
राक्षस :	गण	: राक्षस
आद्य :	नाड़ी	: मध्य
मूषक :	वर्ग	: मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
केतु 3वर्ष 5मा 20दि
सूर्य

16/04/2022

16/04/2028

सूर्य	04/08/2022
चन्द्र	03/02/2023
मंगल	10/06/2023
राहु	04/05/2024
गुरु	20/02/2025
शनि	02/02/2026
बुध	10/12/2026
केतु	17/04/2027
शुक्र	16/04/2028

अंश

11:59:19
08:17:17
06:42:58
17:11:45
26:38:59
24:55:13
07:09:29
06:09:51
05:13:19
05:13:19
14:59:33
05:36:10
12:45:12

राशि

कर्क
तुला
धनु
सिंह
तुला
कुंभ व
तुला
मेष व
सिंह व
कुंभ व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

मक
कर्क
कन्या
तुला
कर्क
मेष
सिंह
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

अंश

21:18:08
02:39:27
24:08:37
11:42:37
13:55:56
09:02:11
09:19:06
21:52:04
19:14:09
19:14:09
21:42:50
09:18:41
14:08:03

विंशोत्तरी

मंगल 6वर्ष 6मा 27दि
गुरु

14/02/2024

14/02/2040

गुरु	03/04/2026
शनि	15/10/2028
बुध	21/01/2031
केतु	28/12/2031
शुक्र	28/08/2034
सूर्य	16/06/2035
चन्द्र	15/10/2036
मंगल	21/09/2037
राहु	14/02/2040

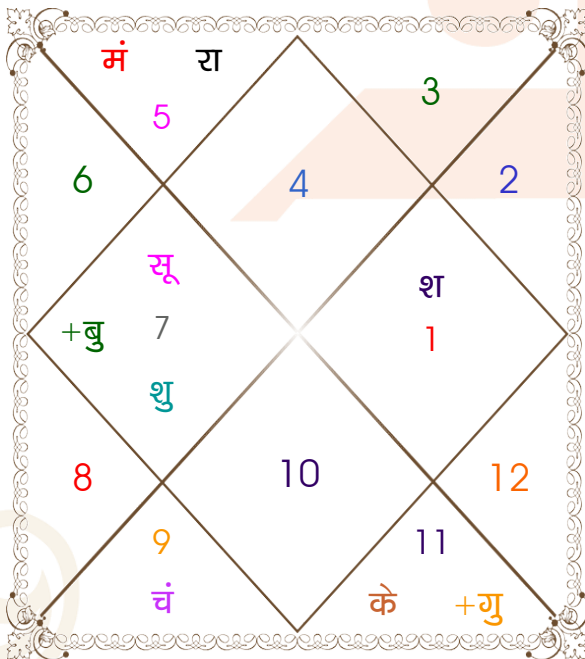
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

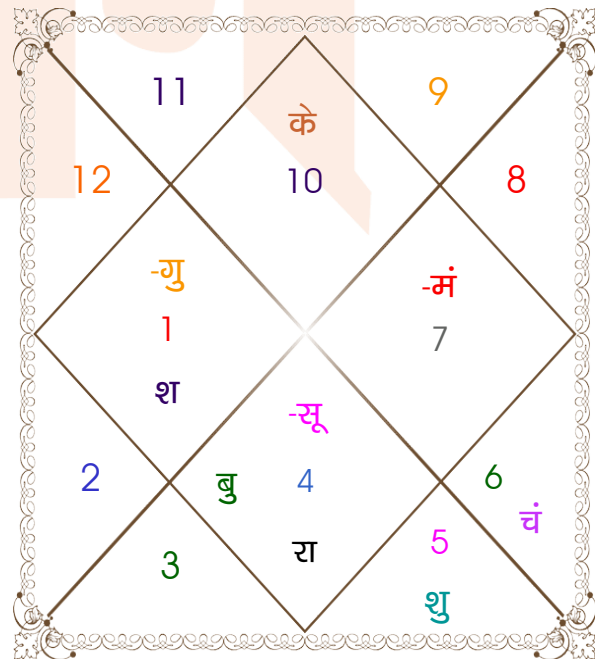
राहु : स्पष्ट

23:50:15 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:51

लग्न-चलित



लग्न-चलित



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा

9312257830

अष्टकूट गुण सारिणी

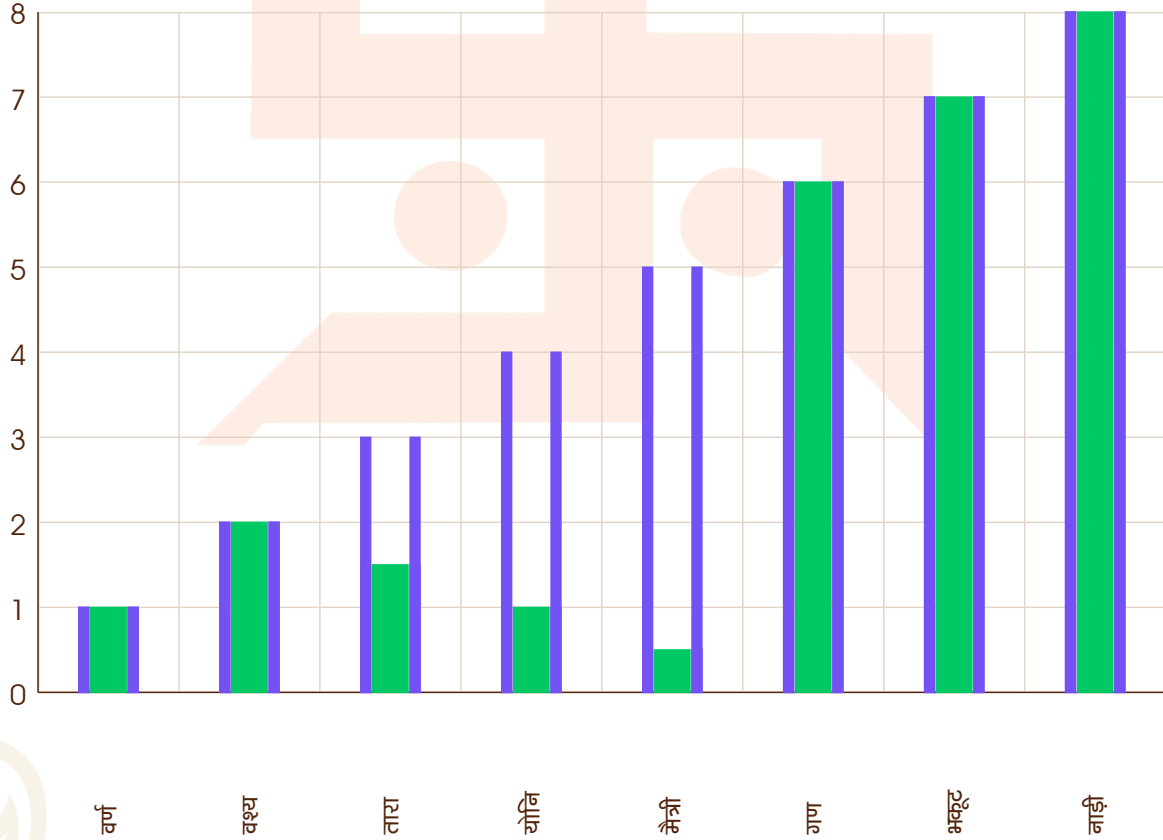
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

27.00

कुल : 27 / 36



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा

मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा

9312257830

अष्टकूट मिलान

Pranav का वर्ग मूषक है तथा चतुर्भुज का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pranav और चतुर्भुज का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

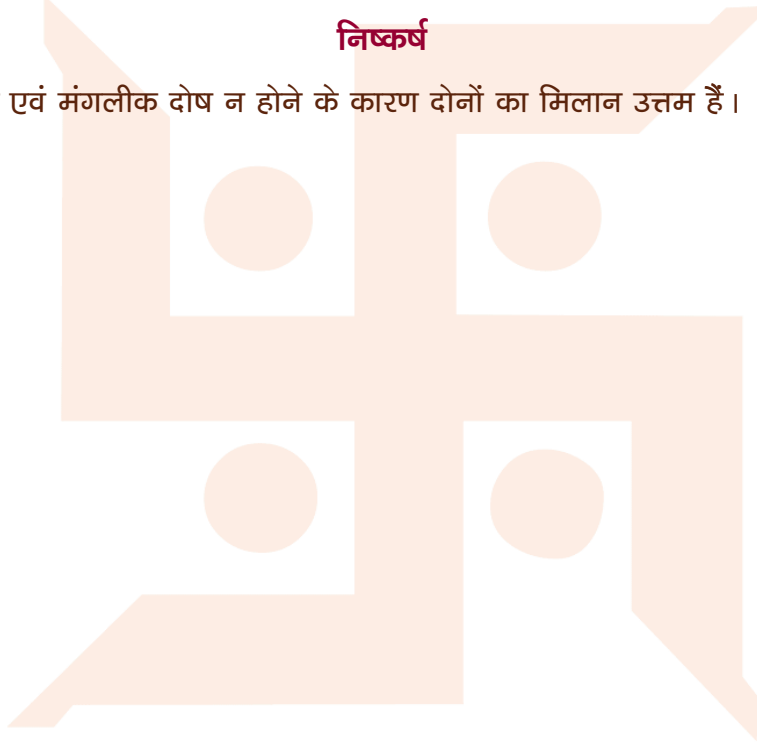
Pranav मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

चतुर्भुज मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम भाव में स्थित है।

Pranav तथा चतुर्भुज में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pranav का वर्ण क्षत्रिय तथा ज्ञतअं का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश ज्ञतअं आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही ज्ञतअं की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

Pranav का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं ज्ञतअं का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Pranav एवं ज्ञतअं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Pranav की तारा साधक तथा ज्ञतअं की तारा प्रत्यरि है। ज्ञतअं की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Pranav एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। ज्ञतअं का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य में अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही ज्ञतअं के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Pranav अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Pranav की योनि श्वान है तथा ज्ञतअं की योनि व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pranav का राशि स्वामी च्चतअं के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि च्चतअं का राशि स्वामी Pranav के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Pranav का गण राक्षस है तथा च्चतअं का गण भी राक्षस है। अर्थात् च्चतअं का गण Pranav के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Pranav एवं च्चतअं दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Pranav से च्चतअं की राशि दशम भाव में स्थित है तथा च्चतअं से Pranav की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Pranav एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। च्चतअं को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। च्चतअं हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Pranav की नाड़ी आद्य है तथा च्चतअं की नाड़ी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के

लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।



भक्ति शक्ति ज्योतिष केंद्र

पं गोकुल चंद शर्मा
मकान नं-389, सेक्टर 17A, गुरुग्राम, हरियाणा
9312257830

मेलापक फलित

स्वभाव

Pranav की जन्मराशि अग्नितत्त्व युक्त धनु तथा च्चतअं की राशि भूमितत्त्व युक्त कन्या राशि है। अग्नि एवं भूमितत्त्व में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत असमानताएं होंगी तथा संबंधों में भी तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन में परेशानी होगी अतः मिलान अच्छा नहीं रहेगा।

Pranav की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा च्चतअं की राशि का स्वामी बुध शत्रु एवं सम राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। अतः इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर मतभेद तथा विरोध का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग भी अल्प मात्रा में ही प्रदान करेंगे जिससे वैवाहिक जीवन में मधुरता की कमी होगी।

Pranav और च्चतअं की राशियां परस्पर दशम एवं चतुर्थ भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता होगी तथा एक दूसरे के प्रति इनके मन में सहयोग सदभाव तथा समर्पण का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के सुख दुख में सहायता प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करके गुणों की प्रशंसा करेंगे। इससे वैवाहिक जीवन में शुभता आएगी।

Pranav और च्चतअं दोनों का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही एक दूसरे को दाम्पत्य सुख में प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे जिससे जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

Pranav का वर्ण क्षत्रिय तथा च्चतअं का वर्ण वैश्य है। अतः Pranav की प्रवृत्ति पराक्रमी एवं साहसिक कार्यों को करने की रहेगी तथा च्चतअं धनार्जन संबंधी कार्यों में कुशल होंगी तथा वणिक बुद्धि से समस्त कार्यों को सम्पन्न करेंगी।

धन

Pranav और च्चतअं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Pranav की नाड़ी आद्य तथा चतुर्थांश की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही Pranav और चतुर्थांश के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Pranav और चतुर्थांश का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Pranav और चतुर्थांश के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में चतुर्थांश के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन चतुर्थांश को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में चतुर्थांश को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Pranav और चतुर्थांश सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमत्ता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Pranav और चतुर्थांश का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

चतुर्थांश के अपनी सास के साथ संबंधों में मधुरता रहेगी तथा इनके मध्य परस्पर सामंजस्य भी रहेगा। साथ ही सास से चतुर्थांश को कभी भी कोई परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। चतुर्थांश भी उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा सेवा करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुर पक्ष से चतुर्थांश को यदा कदा अनावश्यक समस्याओं तथा परेशानियों का सामना करना पड़ेगा एवं वे सन्तुष्ट तथा प्रसन्न अल्प मात्रा में ही रहेंगे। तथापि उनका हृदय जीतने के लिए चतुर्थांश उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगी एवं परस्पर

सामंजस्य स्थापित करने के लिए भी तत्पर रहेंगी। साथ ही देवर एवं ननदों से भी च्छतअं के मधुर संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की भी न्यूनता रहेगी। इसके अतिरिक्त परस्पर प्रतिद्वन्दिता तथा आलोचना का भाव रहेगा।

सामान्य रूप से सास ससुर का च्छतअं के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण रहेगा तथा परिवार में उसकी महता को स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Pranav के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Pranav अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Pranav के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Pranav के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।